सावन की झड़ी, सरकते पहाड़

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापितः 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 7 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 20 जुलाई 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

नदी-नाले उफनाए, भूस्खलन
पखोटू बुग्याल में वज्रपत से भेड़-बकरियों की मौत
हल्द्वानी शहर में जलभराव से दिक्कत
चारधाम यात्रा मार्ग पर रफ्तारी धीमी
काशीपुर में आठ बाढ़ चौकियां स्थापित
पूर्णागिरी मार्ग में यातायात बाधित हो रहा

कार्यालय प्रतिनिधि

मानसूनी बरसात में नदी-नाले उफनाए हुए हैं और भूस्खलन से यातायात प्रभावित है। उत्तरकाशी के डोडीताल क्षेत्र स्थित पखोटू बुग्याल में वज्रपात से 200 से अधिक भेड़-बकरियों की मौत हो गई। गंगा घाटी और मोरी क्षेत्र के 15 पशुपालक ग्रीष्म प्रवास में पखोटू बुग्याल पहुँचे थे, जिन्हें बिगड़ते मौसम ने नुकसान किया। जिला प्रशासन की ओर से राजस्व विभाग नुकसान का आकलन कर रहा है ताकि प्रभावितों को उचित सहायता मिल सके। दूसरी ओर सावन की झड़ी में आस्था का सैलाब कम नहीं हो रहा है और शिवालयों में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुँचे हैं। सरकते पहाड़ों के बीच खतरा मोल लेकर यात्रा करने वाले श्रद्धालु जागेश्वर मन्दिर तक दिखाई दे रहे हैं। चारधाम यात्रा मार्ग में भी दिक्कत के बाद रुक-रुक कर यात्री आ-जा रहे हैं। मन्दाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ने से यहाँ जेसीबी और 2 कर्मचारी फंसे थे, जिन्हें एसडीआरएफ ने बताया। गंगोत्री नेशनल हाईवे पर पहाड़ी से झरने जैसा पानी आने लगा तो यात्रियों ने भागकर जान बचाई। स्यानचट्टी के पास भूस्खलन से यमुनोत्री हाईवे में दिक्कत हो रही है। पूर्णागिरी मार्ग पर यातायात बाधित है। लगातार बारिश से

शेष पृष्ठ 2 पर

लोक कथाएं——— यू.आर.टम्टा

फौंरिया और नरभक्षी लोग

उदयराम जी ने अधिकांश लोक कथाएं अपने पिता गोविन्द राम टम्टा जी श्रीमुख से सुनी थीं और चाहा गाँव की इन कथाओं को अगली पीढ़ी तक पहुँचाया जाए। पटेल नगर, गाजियाबाद में रहते हुए उन्होंने इसका संकलन किया। आज प्रस्तुत है दसवीं लोककथा -सम्पादक

आज भी यदि किसी के परिवार का आकार सामान्य से कुछ बड़ा हो तो लोग इस परिवार की तुलना फौंरिया के परिवार से करते हैं। यथा फलाँ का 'परिवार फौंरिया के परिवार के बराबर हो गया।' या इस 'फौंरिया के जैसे परिवार को वह कैसे पालेगा' इत्यादि। कहना न होगा कि फौंरिया के परिवार का आकार बहुत बड़ा था। उसके परिवार में दो पत्नियाँ व कुल मिलाकर सत्ताइस बच्चे थे, बच्चे क्या, इनमें से सबसे बड़े की उम्र तो पैंतीस-चालीस साल की थी। दूसरी ओर सबसे छोटा बच्चा मुश्किल से साल डेढ़ साल का होगा। उसकी कोई खेतीबाड़ी नहीं थी पर इसका यह मतलब नहीं कि उसके बच्चे अभाव में पल रहे थे। असल में वह बहुत ऊँचे दर्जे का लोक कलाकार था, लोक गीतों का नामी गायक व हुड़के का हुनरमन्द वादक। अतः जब भी वह अपनी कला का प्रदर्शन करता लोग अन्न, घी, रुपये पैसे से उसे मालामाल कर देते। हुड़के पर उसकी उंगलियाँ ऐसी थाप मारतीं कि भगवान शंकर का डमरू भी फीका पड़ जाय। यह अलग बात है कि जब उसका हुड़का बजता होगा तो कोई पाणिनि उसकी रिदम से उत्पन्न व्याकरण के सूत्र पहिचानने के कलिये उपलब्ध न रहता होगा।

फौंरिया, जिसको छोड़े बड़े सभी 'फौंरदा' के नाम से पुकारते थे, गाँव गाँव जाकर लोगों को लोक गीत सुनाता। ऐसा नहीं था कि वह बिना बुलाए जाता, बल्कि उसको लोग ससम्मान बुलाकर ले जाते तथा उसके कर्णप्रिय गीतों का आनन्द लेते। रमौल, मालूशाही, जोड़ सभी में वह पारंगत था। उन दिनों भारत तिब्बत यहाँ तक कि भारत-चीन में भी, एक दूसरे के क्षेत्र में आवागमन में कोई रुकावट नहीं थी। तिब्बत की दुर्लभ चीजें वहाँ के व्यापारी भारत में लाते व यहाँ से दूसरी वस्तुएँ भेड़ों की पीठ पर, करपचों (ऊनी थैलों) में भरकर ले जाते। तिब्बत के व्यापारी, जिन्हें हुणियाँ कहा जाता था, कस्तूरी, सुहागा, शिलाजीत जम्बू, डोल अभ्रक गन्द्रायणी, ऊन, थुल्मा, पंखी इत्यादि कई चीजों को लाते, यहाँ से गुड़, चावल तथा विसातखाने का विभिन्न प्रकार का सामान ले जाते। हुणियों को, चाहे वह सत्तर साल का हो या दस साल का, 'बूढ़ा' कहके लोग बुलाते थे। यद्यपि इनकी मूल भाषा तिब्बती थी परन्तु बचपन से ही व्यापारिक यात्राओं में यहाँ आने के कारण, वह लोग यहाँ के लोगों के लोकगीतों में काफी रुचि लेते थे। यही कारण था कि फौंरदा से हुणियों की ऐसी पक्की दोस्ती हो गयी कि उन्होंने उसे तिब्बत आने का न्योता दे दिया। फौंरदा वैसे भी तिब्बत की सीमा तक कई बार हो आया था, क्योंकि घर का काम संभालने के लिये उसके एक दर्जन बच्चे काफी बड़े हो गये थे। तिब्बत जाने के व्यापारिक रास्तों की कुछ-कुछ जानकारी उसे थी।

एक बार जेठ के महीने में फौंरदा ने तिब्बत का रास्ता पकड़ी ही लिया। जाने के एक से अधिक मकसद थे, एक

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

भगवान के नाम पर लूट इतनी आसान है क्या?

अयोध्या के राम मन्दिर में चढ़ावे की राशि पर हेरफेर को लेकर जिस प्रकार से परतें खुल रही हैं वह यह तो सिद्ध कर ही चुकी हैं कि भगवान के नाम पर अथाह लूट हो रही है। बहुत ही चतुराई के साथ करोड़ों लोगों की आस्था व श्रद्धा को कुचला जा रहा है। राममन्दिर के मामले में आंखिरी सच क्या होगा वह तो जाँच के बाद पता चलेगा लेकिन इसमें जिन लोगों का नाम लिया गया है, उनके द्वारा भी जिस प्रकार से बयान दिये गये हैं वह सीधा संकेत हैं कि 'लूट सके तो लूट' वाली स्थिति रही है।

राममन्दिर ही क्या भगवान के नाम पर अन्य जगहों पर भी लूट ने झकझोर दिया है। बदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच हलचल है। चढ़ावे और दान की राशि पर घपले का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन हो रहा है। इसमें मन्दिर समिति ने प्रथम दृष्टया हेराफेरी में आरोपित बीकेटीसी के वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। उनके खिलाफ पुलिस में दर्ज हुआ। सीएम के निर्देश पर चार सदस्यीय उच्चस्तरीय जाँच समिति जुटी हुई है। इसके अलावा हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसादेवी मन्दिर ट्रस्ट ने निर्णय लिया है कि सेवा के दौरान पुजारी बिना जेब वाला कुर्ता पहनेंगे। चढ़ावे या दान राशि पर पूरी पारदर्शिता होगी। राम मन्दिर में चढ़ावा चोरी की घटना के बाद मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त की जा रही है। दान-चढ़ावे की गिनती के दौरान बिना जेब वाले कपड़े पहनना अनिवार्य होगा। साथ ही हाईटेक सीसीटीवी कैमरे, छह महीने तक रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी की गई है।

आंखिर यह सब क्या होने लगा है? दरअसल दुनिया की भीड़ में परेशान लोग अपनी कामनाओं को लेकर ईश्वरीय शक्ति को जितना पूजते हैं, उतना ही दान-चन्दा वह लोग देते हैं जिनके पास अथाह धनदौलत है। इन दोनों तरह के पूजने वालों का स्वार्थ सिर्फ यह है कि अदृश्य शक्ति यानी ईश्वर उनकी बिगड़ी बना दे। हर प्रकार से भगवान का ध्यान होना स्वाभाविक भी है क्योंकि दुनिया का कोई भी विज्ञान ईश्वरीय शक्ति का सत्य नहीं जानता है जबकि हम वेद-पुराणों की बातों पर विश्वास करते हैं। जीवन-जगत की सारी लीलाओं में वह परम सुख नहीं हो सकता जो भगवत नाम में है। ऐसे में आस्थावान हर प्रकार से भगवान के आगे नतमस्तक है और वह तन-मन-धन हर प्रकार से अपनी सेवा देना चाहता है। आस्थावानों के इस विश्वास को उनकी कमजोरी मानने वाले लुटेरे हर उस अवसर की तलाश में रहते हैं जब वह माल हड़प करें। ऐसा ही कुछ दान-चन्दा की लूट के रूप में भी देखने को मिल रहा है। अब आस्थावानों को समझना होगा कि भगवान के नाम पर लूट इतनी आसान है क्या? इस प्रकार की लूट को रोकने के लिये स्वयं से जागरूक होना जरूरी है। ईश्वर चाहे जिस रूप में हो वह हमारी आस्था को समझ सकता है, वह दिखावे या चढ़ावे के आडम्बर को भी जानता है। फिर हम सब भी सत्य के मार्ग पर चलने व भलाई में ईश्वर खोजना प्रारम्भ करें।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

अहमदाबाद ब्लास्ट में फांसी बरकरार

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। निचली अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज कर दिया।

डीएसपी के पास मिली 300करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली। तेलंगाना में एक पुलिस अधिकारी के पास करोड़ों की बेनामी सम्पत्ति मिली है। आरोपी की पहचान संकीरेड्डी भीम रेड्डी के रूप में हुई, जो हैदराबाद में पुलिस कम्प्यूटर सर्विसेज में डिप्टी सुपरिंटेंडेंट आफ पुलिस के पद पर तैनात है। इन्होंने रिश्तेदारों, दोस्तों और सहयोगियों के नाम पर करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदी थी। तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने तलाशी में सोना-चांदी-गहने बदामद किये।

चढ़ावा विवाद का असर कारोबार पर

अयोध्या। राम मन्दिर चोरी विवाद के बाद स्थानीय व्यापारियों ने कारोबार पर असर पड़ने का दावा किया है। प्रसाद विक्रेताओं और अन्य दुकानदारों का कहना है कि विवाद के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में काफी कमी आई है

उत्तराखंडियों के लिये अलग पंजीकरण

अयोध्या। राम मन्दिर चोरी विवा

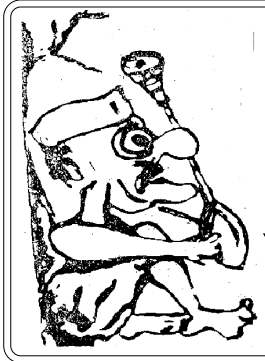

फसक

दाज्यू, टिकट के लिये दमखम दिखाना ही ठैरा

जनता के सामने बात बनाते समय लड़बड़ाट हो जाती है बल

दाज्यू, अपना बब्बू टिकट की जिद कर रहा है। हमने बहुत समझा दिया है कि केवल लक्कड़पेल से वोट नहीं मिलने वाला, इसके लिये तवा-तसला उठाने से लेकर मिमयाना भी जरूरी है। लेकिन बब्बू मानने को तैयार नहीं है। कह रहा है- 'लट्ठफोड़ मेहनत करेगा लेकिन चुनाव तो लड़न ही है।'

दाज्यू, बब्बू को कौन समझाए कि जनता के सामने बात बनाते समय लड़बड़ाट हो जाती है बल। देखा नहीं विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री, संगठन वाले नेता कैसा कैसा जो बोल रहे हैं। गली प्रभारी, मोहल्ला प्रभारी से लेकर जिला और प्रदेश तक का नेता फुरड़ीने लगा है। फरफराट के आगे क्या जो कहा जा सकता है। अपने पुष्कर सबसे लम्बे समय तक मुख्यमंत्री बनने का रिकार्ड बना चुके हैं। जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार आयोजन में मंच सज रहे हैं। दूसरी ओर गुसैं दा लट्ठ लेकर सबको गलियाने में लगा है। पता नहीं किन-किन को कहाँ पर फोड़ा हो चुका है।

रामनगर के सांवल्दे स्थित एक्रोन रिजॉर्ट में देह व्यापार का बड़ा मामला पुलिस ने पकड़ा। दाज्यू, पार्टी-सार्टी होते रहने वाली ठैरी। दुनियाभर से बलबलाट करने वाले इतनी दूर तक आने वाले हुए। घोर कलजुग चल रहा है और कुकुरबाजी भी बढ़ती जा रही है। कौन किसका कैसे गाज निकाल देगा पता नहीं। प्रोफेसर बंटी कह रहा है- 'प्राचार्य बन जाऊँगा। मोहल्ले में फब्बार लगेगा और बिजली जलाकर रात्रिकालीन स्नान होगा।' दाज्यू, लात्कार और बलात्कार के बहुत किस्से सुने थे लेकिन आदमजात इतना हराम होता है पता नहीं था। मतलब नौकरी में रहकर पूरी तरह निचोड़ डालने वाले ठैरे। सबकी नजर छोटे-छोटे चोर-उच्चकों पर होती है, उन्हें क्या पता नौकरी में पाकसाफ दिखने वाले कितना गू-गाज कर लेते हैं। जबकि रोटी के जुगाड़ में भटकने वालों पर पहरा बहुत है। बाजपुर में गौ-तस्करी के आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई बल। इसमें आरोपी के पैर में गोली लगी, फिर उसे अस्पताल ले गये। बाजपुर सहकारी चीनी मिल में स्क्रैप नीलामी के दौरान तांबा, पीतल और बेयरिंग युक्त विद्युत मोटरों को सामान्य लोहे के स्क्रैप भाव बेचे जाने का आरोप लगाते हुए कर्मचारियों ने कर्यालय के सामने ही धरना प्रदर्शन किया। दाज्यू, वह विद्युत मोटरों की अलग से नीलामी कराने की मांग कर रहे थे।

दाज्यू, लड़बड़ाट करने वाले नेता पब्लिक की सुन कहाँ रहे हैं? वह तो अपने टिकट के लिये भड़भड़ाट करने वाले ठैरे बस। पर्यटन नगरी नैनीताल के मल्लीताल बाजार स्थित राम सेवक सभा के निकट नाले में सीवर बहने से स्थानीय लोग बेहाल हो चुके हैं। शिकायत के बाद जल संस्थान हरकत में आया।

राममन्दिर में दानराशि पर घपले की सुनकर बहुत बेचैनी हो रही है। सोचा था नींद की गोली असर करेगी लेकिन बद्री-केदार मन्दिर के दान में गड़बड़ी की सुनकर तो नींद हराम हो चुकी है। जनता के सामने लड़बड़ाट करने वाले नेता अपने नाखून दांत से काट रहे हैं, किसको क्या जो कहा जाए? अब हरिद्वार के मनसा देवी मन्दिर में पुजारी बिना जेब वाले कुर्ते पहनेंगे बल। दाज्यू, कुर्तों में जेब से क्या जो होगा। गाना बज ही रहा है- 'अँखियो से गोली मारे।' चम्पावत गोलज्यू मन्दिर में कांग्रेसियों ने मन्दिर में चोरी की घटना को लेकर घात डालकर न्याय की गुहार लगाई है। दाज्यू, कोई धात लगाये या घात डाले, सबकुछ खरामे-खरामे चल रहा है।

दाज्यू, भवाली में चर्चित यौन शोषण मामले में नामजद आरोपी व्यापारी नेता नरेश पाण्डे को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। इस समाजसेवी पर बालिकाओं को प्रलोभन देकर यौन शोषण की शिकायत है। उधर रुद्रपुर में 13 वर्षीय बालिका को नशीला पदार्थ पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म कर दिया गया। मामले में चाचा, भतीजे समेत चार पर प्राथमिक दर्ज की गई। दाज्यू, बहुत गदरगोल है इस दुनिया में। सबकी भली करना।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

सावन की झड़ी, सरकते पहाड़, भूस्खलन, जलभराव....

प्रथम पृष्ठ का शेष

बूम चौकी क्षेत्र में बाटनगाड़ का जलस्तर बढ़ गया है, ऐसे में पूर्णागिरी यात्रियों को सुरक्षित करने के लिये पुलिस प्रशासन के साथ जलपुलिस तैनात है। शारदाघाट में भी राहत व बचाव कार्य के लिये कंट्रोल रूप सहित तैनाती है।

टिहरी झील में आंधी-तूफान से फ्लोटिंग हटमेंट बह गए। डोबरा चाटी क्षेत्र में दो दर्जन फंसे लोगों को एसडीआरएफ के जवानों ने निकाला। यमकेश्वर तहसील में अतिवृष्टि से हेंवल और ताल नदी में उफान है। खेतों में भूकटाव, पेयजल लाइनें,नहरें टूटी हैं। यमकेश्वर महादेव मन्दिर का कुछ हिस्सा बह गया और इण्टर कालेज को जोड़ने वाला पुल भी टूटा है।

बरसात के मौसम में तहसील प्रशासन ने काशीपुर में आठ बाढ़ चौकियां स्थापित की हैं। इनमें राजस्व, पुलिस, पशुपालन, बिजली विभाग के साथ-साथ रोजगार सेवक और ग्राम प्रहरियों की तैनाती की गई है। यह चौकियां आगामी आदेशों तक

- हैड़ाखान-पदमपुरी मार्ग बाधित हो रहा
- आंधी-तूफान में फ्लोटिंग हटमेंट बहे
- यमकेश्वर में बादल फटने से नुकसान
- अल्मोड़ा में होर्डिंग, रेलिंग, साइनबोर्ड गिरे

काम करेंगी।

हल्द्वानी शहर में जलभराव से दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा, नगर निगम के माहापौर गजराज बिष्ट ने मानसून से पहले विकास कार्य व जल निकासी, नाले सफाई के निर्देश दिये थे लेकिन काम अपनी ही चाल से होता है। जल भराव के पीछे अतिक्रमण हो चुके नालों को खोलने की ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है जिससे शहर में पानी भराव की समस्या बनी हुई है। नैनीताल-नयना गाँव के पास सड़क पर मलबा गिर रहा है। मोरनोला भण्डारपानी मार्ग, हैड़ाखान-पदमपुरी मार्ग, सड़क मलबा आने से बाधित हो रही है।

अल्मोड़ा शहर में आंधी-तूफान से होर्डिंग, रेलिंग, साइनबोर्ड गिरे हैं। इनकी चपेट में कई गाड़ियां आ गई। दारमा और व्यास घाटी की ऊँचाई वाले हिस्सों में हल्का हिमपात भी हुआ। तल्ला दारमा के उमचिया में दो पुल बह गए। खोतिला गाँव का लोहे का पुल बह चुका है और पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। कूलागाड़ नाला में बादल फटने से मोटरपुल बह गया। जुम्मा गाँव में बादल फटने से 7 मकान जमींदोज हुए। नाबी, कुटी, गुंजी, कालापानी में बर्फबारी देखने को मिली। जोहार घाटी में जमकर बारिश हुई है। जौलजीवी-मुनस्यारी मार्ग सेराघाट के पास पहाड़ी टूटने से बेहाल बना है। रालम में पास चट्टान टूटी जबकि बुई, पातो और रालम अलग-थलग पड़े हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सावधान

यमुनोत्री हाईवे पर बरसी आफत

द्यारा बुग्याल में भूस्खलन से चिन्ता

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

यमुनोत्री धाम जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को कई बार घंटों सड़क खुलने का इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसा ही एक बार फिर हुआ जब मार्ग के दोनों ओर दर्जनों छोटे-बड़े वाहन फंस गए, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्यानाचट्टी में हाईवे चौड़ीकरण के दौरान किए गए अनियंत्रित कटान के कारण हाईवे लगातार भूस्खलन की चपेट में आ रहा है। हल्की बारिश होते ही पहाड़ी से मलबा और पत्थर सड़क पर आ गिरते हैं, जिससे आए दिन यातायात बाधित हो रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी की ओर से ढलानों के स्थायी उपचार और सुरक्षा उपायों की अनदेखी की जा रही है। भूस्खलन होने से यातायात ठप हो गया। लगातार हो रहे अनियंत्रित कटान और पहाड़ी से मलबा गिरने के कारण स्यानाचट्टी के पीछे हाईवे पर दोनों बैंड क्षतिग्रस्त हो गए। इससे मार्ग पर वाहनों की लम्बी कतारें लग गईं। भूस्खलन होने से यातायात ठप हो गया। लगातार हो रहे अनियंत्रित कटान और पहाड़ी से मलबा गिरने के कारण स्यानाचट्टी के पीछे हाईवे पर दोनों बैंड क्षतिग्रस्त हो गए। हल्की बारिश होते ही पहाड़ी से मलबा और पत्थर सड़क पर गिरते हैं जिससे आए दिन यातायात बाधित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी की ओर से ढलानों के स्थायी उपचार और सुरक्षा उपायों की अनदेखी की जा रही है। इसका खामियाजा स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और चारधाम यात्र पर आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ रहा है।

राज्य में भूस्खलन समेत अन्य कारणों के चलते 34 मार्ग बन्द हैं। सबसे अधिक मार्ग पिथौरागढ़ जिले बंद रहे। इस सीमान्त जिले में दस ग्रामीण मार्ग बन्द है। देहरादून और पौड़ी गढ़वाल में छह-छह, रुद्रप्रयाग दो, चमोली चार मार्ग बन्द रहे। टिहरी में चार और नैनीताल में एक राज्य मार्ग और एम प्रमुख जिला मार्ग बन्द रहा। बंद मार्गों को खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्यानाचट्टी के पास बार-बार हाईवे बन्द होने की घटनाओं ने चौड़ीकरण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा प्रबन्धन पर भी गँभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और सम्बन्धित विभाग से सम्वेदनशील स्थानों पर तत्काल प्रभावी सुरक्षा कार्य कराने की मांग की है।

समुद्रतल से 11 हजार फीट ऊँचाई पर स्थित दयारा बुग्याल पर्यटकों की खास पसन्द है। औसतन 30 से 35 पर्यटक प्रतिदिन यहाँ पहुँच रहे हैं और बार्सू व रैथल गाँव में पर्यटन कारोबार को पंख लग रहे हैं। अगस्त में यहाँ बटर फस्टिबल यानी अंदूड़ी उत्सव की तैयारी भी है। लेकिन हो रहे भू-क्षरण और भूस्खलन के कारण करीब 400 हेक्टेयर में फैले क्षेत्र पर खतरा मंडरा रहा है। वन विभाग की ओर से वर्ष 2020 में भारतीय वन्यजीव संस्थान और उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र की ओर से ईको फ्रेंडली तरीके से करीब 600 मीटर क्षेत्र में जूट व नारियल के रेशों से बने केयर नेट व पिरूल के चेक डैम बनाकर क्षरण रोकने की कोशिश की गई। यह उस क्षेत्र में सफल भी रहा लेकिन वर्ष 2024 और 25 में बुग्याल के अन्य क्षेत्रों नहेटा सहित चिलपाड़ा आदि में सबसे अधिक भूस्खलन और भू-धंसाव देखने को मिला है। लगातार हो रहे भू-धंसाव के कारण बुग्याल क्षेत्र में बन रही खाई से बहने वाली मिटी पापड़गाड नदी में तबाही बनकर बह रहा है।

नहेटा में घने जंगलों में भी भू-धंसाव व भूस्खलन के कारण वन सम्पदा क्षतिग्रस्त हो रही है। दूसरी ओर दयारा बुग्याल ट्रैक के मुख्य पड़ाव धियाणा, बरनाला, गोई आदि तोक के बुग्यालों में मैदानों ने बड़ी खाइयों का रूप ले लिया है।क्यारक के पूर्व प्रधान विपिन राणा का कहना है कि बुग्याल क्षेत्र में हो रहे भू-धंसाव का असर रैथल और क्यारक गाँव सहित गंगोत्री हाईवे तक देखने को मिल रहा है। कई सम्पत्तियां इस कारण क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। बार्सू प्रधान का कहना है कि बरनाला क्षेत्र में भी भू-धंसाव व भूस्खलन तेजी से दिख रहा है। इसके लिए वन विभाग से दूरगामी योजना बनाने की मांग की गई है। लगातार हो रहे भू-धंसाव के कारण बुग्याल क्षेत्र में बन रही खाई से बहने वाली मिट्टी पापड़गाड़ नदी में तबाही बनकर बह रहा है। नहेटा में घने जंगलों में भी भू-धंसाव व भूस्खलन के कारण वन संपदा क्षतिग्रस्त हो रही है। दूसरी ओर दयारा बुग्याल ट्रैक के मुख्य पड़ाव धियाणा, बरनाला, गोई आदि तोक के बुग्यालों में मैदानों ने बड़ी खाइयों का रूप ले लिया है। ऐसे में यहाँ फरवरी आखिर से अप्रैल तक शीतकालीन खेलों के आयोजन की भरपूर सम्भावनाओं को कैसे तराशा जाएगा?

ज्योतिष की बातें 290

इस सप्ताह किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह गुरु उच्चराशि कर्क में, बुध स्वराशि मिथुन में, सूर्य मित्रराशि कर्क में, मंगल समराशि वृषभ में, शुक्र व शनि शत्रुराशि सिंह व मीन में क्रमशः गोचर करते रहेंगे तथा चन्द्रमा इस सप्ताह कन्या, तुला, वृश्चिक व धनु राशि में गोचर करेगा।

22 जुलाई 2026 को स्थानभेद से अभी अस्त चल रहा बुध उदय हो जाएगा और दो दिन बाद 24 जुलाई 2026 को अभी तक वक्री चल रहा बुध मागह्न भी हो जाएगा। अतः बुध से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल अब सामान्य रूप से प्राप्त होंगे। वैसे बुध के उदय-अस्त एवं वक्री-मार्गी होने का प्रभाव जातकों पर शनि आदि ग्रहों की तरह तीक्ष्ण प्रकार का नहीं होता है इसलिए अधिक चिन्ता नहीं करनी चाहिए।

देवशयनी एकादशी- आषाढ़ शुक्लपक्ष एकादशी उदय व्यापिनी तिथि अर्थात् शनिवार 25 जुलाई 2026 को देवशयनी अथवा हरिशयनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इसके साथ ही चातुर्मास व्रत प्रारम्भ होगा और अगले चार माह तक विवाह आदि मंगल कार्य तथा गृहप्रवेश आदि शुभ कार्य स्थगित रहेंगे।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

एम्स में अब उत्तराखंडियों के लिये अलग पंजीकरण काउंटर

ऋषिकेश। एक्स ऋषिकेश में उत्तराखण्ड के स्थानीय रोगियों के लिए अलग से ओपीडी पंजीकरण काउंटर की सुविधा शुरू कर दी गयी है। इस काउंटर पर राज्यवासियों को रोगी पंजीकरण और बिलिंग सुविधा हेतु वरीयता दी जाएगी। संस्थान के कार्यकारी निदेशक प्रो.मीनू सिंह की उपस्थिति में क्षेत्रीय विधायकव पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल ने रिबन काटकर अस्पताल के भू-तल पर स्थित पंजीकरण एरिया में इस काउंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो.मीनू सिंह ने कहा कि इस काउंटर पर स्थानीय रोगियों को रोगी पंजीकरण सम्बन्धी कार्यों में विशेष सुविधा मिलेगी। विधायक ने कहा कि एम्स में लगातार बढ़ रहे रोगियों की संख्या को देखते हुए स्थानीय रोगियों को पंजीकरण में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस मामले में एम्स प्रशासन से अनुरोध कर राज्यवासियों के लिये अतिरिक्त काउंटर की मांग की थी।

गंगोलीहाट में चुनाव के चुलबुले

गंगोलीहाट। क्षेत्र में विकास से ज्यादा विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर मगजमारी होती दिख रही है। कौन किस रूप में किस पार्टी से टिकट लेकर आएगा, इस बात को लेकर चर्चाओं का दौर है। साथ ही पार्टी से टिकट के लिये माथापच्ची कर रहे स्थानीय नेता अपनी ही पार्टी के उन नेताओं को साधने में लगे हैं जिनसे उन्हें खतरा लगता है। ऐसे इसलिये भी हो रहा है कि ताकि मौका देखते हुए अपना रुख तय किया जाए और आम जनता भी बहलावे में रहे।

गाजर का हलुवा

कौन आया रे, और किसने बनाया रे, गाजर का हलुवा
किस-किस ने खाया रे, गाजर का हलुवा
कौन आया रे, और किसने बनाया रे, गाजर का हलुवा
भोले शंकर लाये रे, पार्वती माता ने बनाया रे,
गणपति ने प्रसाद पाया, राम व कृष्ण ने प्रेम से भोग लगाया रे, गाजर.....
पिता जी लाये रे, माता जी ने बनाया रे गाजर का हलुआ,
हम सब ने खाया रे, सब के मन को भाया रे, गाजर का हलुवा।
कौन आया रे, और किसने बनाया रे, गाजर का हलुवा
दादा जी लाये रे, दादी ने बनाया रे, गाजर का हलुवा
हम सबने खाया रे, खूब स्वादिष्ट बनाया रे, गाजर का हलुवा।
चाचा जी लाये रे, चाची ने बनाया रे, गाजर का हलुवा
सारे परिवार ने खाया रे, सब के मन को भाया रे, गाजर का हलुवा।
ताऊ जी लाये रे, ताई जी ने बनाया रे, गाजर का हलुवा
हम सब ने खाया रे, बहुत अच्छा लगा रे, गाजर का हलुवा।
बड़े भैया जी लाये रे, भाभी ने बनाया रे, गाजर का हलुवा
हम सब ने मिलबांट कर खाया रे, गाजर का हलुवा
गाजर बजार से लाये, उसमें मावा व शक्कर मिलाया रे, दूध में पकाया रे,
हम सब ने खाया रे, गाजर का हलुवा।
बड़ा स्वादिष्ट लगा रे, गाजर का हलुवा।
कौन आया रे, और किसने बनाया रे, गाजर का हलुवा
हम सब के मन को भाया रे, गाजर का हलुवा।
पड़ोसियों ने भी खाया रे, उनको भी खूब भाया, गाजर का हलुवा।

-नन्दा बल्लभ पाण्डे
ज्योलीकोट (नैनीताल)

तल्लीताल डांठ पर दरारें गहरी

नैनीताल। लोनिवि की ओर से हाल में किएमेस्टिक डामरीकरण में फिर से गहरी दरारें दिख रही हैं। ऐसे में पाँच करोड़ से किए गए सौन्दर्यीकरण पर सवाल उठने ही हैं। आखिर यह सब क्या हो रहा है? जिला प्रशासन की पहल पर नैनीताल के विभिन्न चौराहों का चौड़ीकरण व सौन्दर्यीकरण किया गया था, जिसका हाल इस तरह दिख रहा है। लोनिवि के ईई रत्नेश सक्सेना का कहना है कि तल्लीताल डांठ पर दोबारा मेस्टिक डामरीकरण किया जाना है, यह कार्य पहले से ही तय था। डामरीकरण के बाद सही हालत दिखेगी।

बीआरओ भ्रष्टाचार मामले में छापेमारी

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई ने एकसाथ बड़ी छापेमारी की। मुनस्यारी, पिथौरागढ़, नैनीताल, हरिद्वार, देहरादून में तलाशी अभियान चलाया गया। कथित अनियमितताओं की पुष्टि होती है तो कार्रवाई होनी तय है।

डाक वितरण में गड़बड़ी रोकने के लिये बारकोट!

सामान्य डाक में भी अब बारकोट लगाकर स्कैनिंग की जा रही है

उत्तराखण्ड में जगह-जगह से डाक वितरण में गड़बड़ी की शिकायतों के बाद विभाग के उच्चाधिकारियों ने सख्ती दिखाई है। अब सामान्य डाक में भी बारकोट लगाकर डाक को भेजा जा रहा है। बताया जाता है कि डाक जैसे कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न हो इसको लेकर प्रधान डाकघर से लेकर इसकी शाखाओं में लगातार चर्चा हो रही है और डाक वितरण में लापरवाह होने वालों को चिन्हित किये जाने की मांग की जा रही है ताकि विभागीय कार्य में किसी प्रकार का सन्देह न हो।

इस बीच पता चला है कि डाक वितरण की लापरवाही के लिये नैनीताल जिले के चोरगलिया क्षेत्र में बात उठी। समझ नहीं आता है कि जब डाक वितरण करने वालों का सीधा सा कार्य उस क्षेत्र में डाक पहुँचाना है तब वह कैसे अपने कार्य से बचते हैं? इस कार्य के लिये समाज के जागरूक जनों को सावधान रहना चाहिये क्योंकि जिस पवित्र भाव से डाक व्यवस्था को विश्व में स्थापित किया गया है और इसकी मान्यता है, उसे लापवाही के लिये नहीं छोड़ा जा सकता है। गड़बड़ी की शिकायत पर अपनी बात रखें।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

5 बीघा सरकारी भूमि कब्जा कराई मुक्त

जसपुर। एसडीएम जसपुर राहुल शाह, एसडीएम काशीपुर अभय प्रताप सिंह और एएसपी स्वप्न किशोर के नेतृत्व में ग्राम अहमदनगर में एक अवैध मजार को ध्वस्त करने के साथ ही 5 बीघा सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त करवाया। इससे पहले कई बार नोटिस जारी किया गया था और दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया।

कार्बेट परमिट व्यवस्था पर मांग

रामनगर। कार्बेट टाइगर रिजर्व में मानसून सीजन के दौरान जंगल सफारी के लिये लागू की गई नई परमिट व्यवस्था पर विवाद होने लगा है। ऑनलाइन और ऑफलाइन परमिट के अलावा रोटेशन और नॉन रोटेशन व्यवस्था को लेकर जिप्सी कारोबारियों के दो गुटों में नोकझोंक भी हुई।

कैलास मानसरोवर यात्रादलों का स्वागत

टनकपुर/धारचूला। कैलास मानसरोवर यात्रियों के दलों के आगमन पर टनकपुर के अलावा यात्रा पड़ाव में उनका स्वागत किया जा रहा है। पहले दल में 49 सदस्यों को सीएम ने हरीझण्डी दिखाकर रवाना किया। दूसरे दल में 47 सदस्य थे।

जगमोहन रौतेला को कुंवर प्रसून सम्मान

देहरादून। पत्रकार व पर्यावरण चिन्तक और जन आन्दोलनों में अग्रणीय रहे स्व. कुंवर प्रसून की 20वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दून पुस्तकालय एवं शोध संस्थान में हुए आयोजन में पत्रकार जगमोहन रौतेला को सम्मानित किया गया। कुंवर प्रसून स्मृति मंच, रामपुर गांव, खाड़ी (टिहरी) के इस आयोजन में 'कलम का गांधी : कुंवर प्रसून और जन सरोकार' पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

परिक्रमा

फचैऽक

चोरि हालौ निखौरै कागभुशंडी, बतै दिन करतूत औरन कैं कै न दियो लूटकि काथ कैं, यो डर है रैछी वां चोरन कैं यो डर है रैछी वां चोरन कैं, बाड़लि वां निमाड़ दे उज्याड़ परभू राम कैं बेबस देखिबेर, हनुमान ज्यू मारन लागी डाड़ राम नामकि लूट में शामिल, 'चंपत' भई कास कास पाखंडी सुन, चांदी, ढेपू टाक चोरी, चोरि हालौ निखौरै कागभुशंडी।

गणेश पाण्डेय

जसुली देवी धर्मशाला में परोसे जाएंगे कुमाउंनी व्यंजन, सजेगी आर्ट गैलरी

पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल ने किया वर्चुअल शुभारम्भ

नैनीताल। भवाली-अल्मोड़ा हाईवे पर खीनापानी क्षेत्र में दानवीरांगना लला जसुली देवी धर्मशाला में अब कुमाउंनी व्यंजन परोसने के साथ ही आर्ट गैलरी के दर्शन हो सकते हैं। इस ऐतिहासिक धर्मशाला के सौन्दर्यीरण के बाद प्रयास था कि इसके संरक्षण के लिये कोई संस्था आगे आगे ताकि इसके जानकारियों को अधिकाधिक बताने के अलावा इसके सुरक्षा इन्तजाम हों।

हाईवे पर सुयालबाड़ी क्षेत्र में खीनापानी की इस पुरातन धर्मशाला को दारमा घाटी की जसुली बूढ़ी शौक्याणी द्वारा मार्गीय सुविधा के लिये बनाया गया था। जसुली लला द्वारा बनवाई गई सैकड़ों धर्मशालाओं में से यह काफी चर्चित रही है। इन सभी धर्मशालाओं के उद्धार और इनपर हो रहे कब्जे को हटाने के लिये संस्थागत प्रयासों के अलावा जसुली के बंशज लगातार प्रयास कर रहे हैं। कुमाऊँ कमिश्नर रहे अरविन्द सिंह ह्यांकी और जिलाधिकारी नैनीताल रहे धीराज गर्ब्याल के प्रयास इस दिशा में दिखाई दिये। सुयालबाड़ी की इस धर्मशाला का जीर्णोद्धार होने के बाद सवाल इसके संरक्षित रहने का था। इस बीच जसुली लला स्मृति मंच की ओर से अपना वार्षिकोत्सव भी यहाँ किया गया। पूरी श्रद्धा के साथ दो दिन हुए आयोजन में फलीसिंह दताल सहित तमाम लोग जुटे। नगर निगम अल्मोड़ा के मेयर, जिला पर्यटन अधिकारी सहित क्षेत्र के गणमान्य जन भी उपस्थित थे। सभी ने प्रशासन के कार्यों की सराहना की। पर्यटन विभाग इस दिशा में लगा हुआ कि टेंडर प्रक्रिया के बाद इसके संचालन के लिये कोई आगे आगे। अब जाकर हिमफला संस्था इस प्रक्रिया में आगे आई है। विगत दिवस पयटन सचिव धीराज गर्ब्याल ने वर्चुअल इसका शुभारम्भ किया। संचालकों ने बताया कि धर्मशाला की मूल भावना का ध्यान रखा जाएगा। इसमें कुमाउंनी व्यंजनों के साथ ही आर्ट गैलरी संचालन है। पर्यटक ध्यान भी लगा कसेंगे। उद्घाटन अवसर पर रं संस्था के रविन्द्र सिंह पतियाल, हिमफला के योगेन्द्र सिंह, सौरभ पन्त, दीपा देवी, आशा देवी, हरीश बिष्ट, मनोज पाण्डे मौजूद थे।

इस ऐतिहासिक धरोहर पर लला का परिचय बोर्ड लगे

हल्द्वानी। पर्यटन सचिव द्वारा खीनापानी स्थित लला जसुली धर्मशला का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए हिमफला संस्था को सौंपने की बधाई देते हुए जसुली लला स्मृति मंच के अध्यक्ष फली सिंह दताल ने कहा कि सरकार द्वारा जीर्णोद्धार और सौन्दर्यीकरण में लगभग डेढ़ करोड़ लागत लगाई। यह ऐतिहासकि धरोहर दो सौ साल बाद भी अपनी पहचान रखती है, हय बड़ी बात है। उन्होने अनुरोध किया है कि लला जसुली के स्मृति में उनका संक्षिप्त परिचय विभाग द्वारा बोर्ड लगवा दिया जाए। ताकि आने-जाने वालों और पर्यटकों को इसका पता चले। ऐसा ही प्रयास अन्य जगहों पर भी हो।

चढ़ावे में पारदर्शिता के लिए फैसला

हरिद्वार। मनसा देवी मन्दिर में चढ़ावे की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए मन्दिर ट्रस्ट ने बड़ा फैसला लिया है कि मन्दिर में सेवा देने वाले सभी पुजारी ड्यूटी के दौरान बिना जेब वाले विशेष कुर्ते पहनेंगे। इसके साथ ही चढ़ावे, मन्दिर की व्यवस्थाओं और साफ-सफाई की निगरानी के लिए 7 सदस्यीय पर्यवेक्षण समिति का गठन किया गया है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य श्रद्धालुओं के विश्वास को और मजबूत करना तथा दान और चढ़ावे के प्रबन्धन में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। इससे किसी भी तरह की शंका और विवाद नहीं होगा।

नन्दादेवी महोत्सव 16 सितम्बर से होगा

नैनीताल। राम सेवक सभा की बैठक में नन्दादेवी महोत्सव के आयोजन पर चर्चा करते हुए बताया गया कि 16 सितम्बर से महोत्सव होगा। मनोज साह की अध्यक्षता में हुई बैठक में हिन्दू पंचाग एवं आचार्य की ओर से दिए गए सुझाव के तहत महोत्सव शुभारम्भ की तिथि पंचमी 16 सितम्बर बताई गई। 19 सितम्बर को मूर्ति स्थापना, 23 को नगर में डोला भ्रमण होगा। इसके लिये 23 उप समितियां बनाई गई हैं।

अल्मोड़ा में 15 सितम्बर से मेला

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा का नन्दादेवी मेला इस बार 15 सितम्बर से शुरू होकर 23 सितम्बर तक चलेगा। मेले को सुव्यवस्थित रूप देने के लिये मन्दिर समिति जुटी हई है। मुख्य संयोजक ताराचन्द जोशी, अर्जुन सिंह बिष्ट, मेला समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा, सचिव मनोज सनवाल ने बताया कि नन्दादेवी प्रांगण और एडम्स में दो मुख्य मंच आयोजन के लिये तैयार किये जा रहे हैं।

बलाती फॉर्म में सब स्टेशन का विरोध

मुनस्यारी। जैव विविधता एवं पेयजल स्रोत को बचाने के लिये बलाती फॉर्म में पिटकुल सब स्टेशन प्रस्तावित करने के विरोध में प्रदर्शन किया गया। मुनस्यारी बचाओ संघर्ष समिति तथा मल्ला जोहार विकास समिति के बैनर तले एसडीएम कार्यायल में एकतत्रित लोगों ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि दिसम्बर 2025 को ही बलाती फॉर्म में पिटकुल सब स्टेशन निर्माण किए जाने पर कड़ी आपत्ति दर्ज लिखित में करा दी गई थी। प्रदर्शनकारियों में श्रीराम सिंह, जगतसिंह मर्तोलिया, लोकबहादुर जंगपांगी, पूरन पाण्डे, हरीश मर्तोलिया, भूपेन्द्र जंगपांगी, कुन्दन सिंह पांगती, लक्ष्मण रलमाल आदि थे।

राम मन्दिर के बाद केदारनाथ-बदरीनाथ के दान में गड़बड़ का आरोप

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

देश के दो सबसे बड़े हिन्दू तीर्थस्थलों में चढ़ावे की पारदर्शिता को लेकर उठे सवाल अब राष्ट्रीय बहस का विषय बनते जा रहे हैं। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में दान राशि के कथित गबन की जाँच अभी जारी ही है कि अब बद्रीनाथ धाम में भी चढ़ावे और दान राशि की कथित हेराफेरी के आरोप सामने आए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल आरोपों के बाद सीएम के निर्देश पर 4 सदस्यीय उच्चस्तरीय जाँच समिति भी मामले को देख रही है। मन्दिर समिति ने प्रथम दृष्टया हेराफेरी में आरोपित बीकेटीसी के वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। उनके खिलाफ पुलिस में दर्ज हुआ।

समिति का कहना है कि यदि जाँच में आरोप सही पाए जाते हैं तो किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति के अध्यक्ष हेमन्त द्विवेदी ने कहा कि यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है, इसलिए किसी भी आरोप को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है और पूरे मामले की जाँच के लिए समिति गठित कर दी गई है। द्विवेदी के अनुसार, 'यदि जाँच में आरोप सही पाए जाते हैं तो नियमों के अनुसार दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।' मालूम हो कि देहरादून की एक संस्था भैरव सेना ने आरोप लगाया है कि बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की गिनती के दौरान दान राशि में गड़बड़ी की जा रही है। हालांकि मन्दिर समिति का कहना है कि आरोप लगाने वालों ने अब तक कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। इसके बावजूद मामले की निष्पक्ष जाँच कराने का निर्णय लिया गया है ताकि किसी तरह का सन्देह न रहे। श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि जाँच समिति उपलब्ध दस्तावेज, सीसीटीवी फुटेज और सम्बन्धित कर्मचारियों के बयान के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। उन्होंने बताया कि मन्दिर परिसर में लगे कैमरों की रिकार्डिंग की जाँच की गई, लेकिन अभी तक कोई निर्णायक प्रमाण सामने नहीं आया है। सूत्रों के मुताबिक जिस कमरे में दान राशि की गिनती होती है, वहाँ पाँच सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया गया कि आरोपों के घेरे में आया कर्मचारी श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति अध्यक्ष का निजी सचिव है। श्री बद्रीनाथ- केदारनाथ मन्दिर समिति ने इस दावे को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि सम्बन्धित व्यक्ति समिति का नियमित सरकारी कर्मचारी है और पूर्व के तीन अध्यक्षों के साथ भी सचिवीय दायित्व निभा चुका है। उन्होंने कहा कि यदि जाँच में उसके खिलाफ कोई तथ्य सामने आते हैं तो उसके विरुद्ध भी कार्रवाई होगी। समिति के अनुसार, किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता सामने आती है तो श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति अधिनियम, 1939 तथा सेवा नियमों के तहत विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। समिति ने लोगों से अपील भी की है कि जांच पूरी होने तक अपुष्ट और भ्रामक सूचनाओं को सोशल मीडिया पर साझा करने से बचें। बद्रीनाथ में चढ़ावा चोरी की यह जाँच ऐसे समय शुरू हुई है जब अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की कथित वित्तीय अनियमितताओं की जाँच पहले से जारी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने 25 जून 2026 को दर्ज एफआईआर के आधार पर जाँच शुरू की थी। मामले में गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है और विशेष जाँच दल को जाँच का दायरा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया गया है। विवाद बढ़ता देख श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव और ट्रस्टी ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। बहरहाल, देश के बड़े मन्दिर केवल धार्मिक आस्था के केन्द्र नहीं हैं बल्कि करोड़ों रुपये के दान और विशाल सामाजिक विश्वास का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता का आरोप केवल प्रशासनिक मामला नहीं रह जाता, बल्कि यह श्रद्धालुओं के विश्वास और संस्थागत पारदर्शिता की परीक्षा बन जाता है।

इस बीच बद्रीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति ने प्रथम दृष्टया चढ़ावे में हेराफेरी में आरोपित बीकेटीसी के वैयक्तिक सहायक निलम्बित किया। यह कार्रवाई इसलिए भी आवश्यक थी ताकि जाँच पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और किसी भी प्रकार के प्रभाव से मुक्त रह सके। मामले में जाँच की मांग को लेकर विपक्ष व सामाजिक संगठन आवाज उठा रहे हैं। इस प्रकार के चोरी-चकारी के मामलों से आस्थावानों में बेचैनी है कि कितना भ्रष्ट वातावरण बन चुका है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

फौंरिया और नर.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

तो मित्रों का न्योता था, उसको सम्मान देने के लिये जाना जरूरी था, दूसरे कैलास मानसरोवर की यात्रा भी हो जाती। तीसरे, आर्थिक लाभ होना ही था, आखिर वह व्यावसायिक कलाकार तो था ही। रास्ता दुर्गम था, संकीर्ण घाटियों, ऊँचे-ऊँचे बर्फीले पहाड़ों व हिमनदों को पार करके जाना था। लगभग 15 दिन की पैदल यात्रा के बाद अन्तिम भारतीय गाँव उसने पार किया तो उसके कष्ट बढ़ने लगे। एक तो बूढ़ा होने के कारण उसे साँस लेने में तकलीफ होने लगी, दूसरे, उसके पास की खाद्य सामग्री समाप्त हो चली थी। तिब्बत सीमा से पहले उसे रास्ते में कुछ लोग मिले जो रंग, भेषभूषा, शारीरिक बनावट से हुणिये जैसे लगते थे। वही छोटी-छोटी आँखें, आदमियों के सिर में दो-दो चोटियाँ, ताम्रवर्ण तथा मूछों में दोनों किनारों में दो-दो लम्बे बाल, पर दाड़ी में कोई बाल नहीं। यह हर तरह से हुणिया लगते थे, सिवाय इसके कि उनकी भाष तिब्बती नहीं थी, और न ही वह कोई भारतीय भाषा समझते थे। वह न तो भारतीय थे, न तिब्बती। अत: फौंरदा की उनसे केवल इशारों में ही बात हो पाई। इशारों से इतना अर्थ तो फौंरदा ने निकाल ही लिया कि उनका गाँव भारत तिब्बत सीमा में मुख्य मार्ग से हटकर है। पंडित नैन सिंह ने तब तक भारत-तिब्बत सीमा का सर्वेक्षण नहीं किया था, अत: आज यह कहना मुश्किल है कि यह गाँव भारत में था या तिब्बत में। उनके हावभाव से ऐसा लगा कि वह लोग उससे आत्मीयता रखने लगे हैं। उन्होंने इशारों में ही उसे अपने गाँव में आमंत्रित किया, जो कि पास ही था। फौंरदा की भोजन सामग्री समाप्त हो गई थी और इसके बिना तिब्बत की शेष यात्रा करना सम्भव नहीं था। अत: वह उन लोगों के साथ चल दिया। दिन भर पैदल चलते हुए रात को वे एक घाटी में पहुँचे। घाटी की ऊँचाई अधिक नहीं थी और यहाँ ठण्ड भी अपेक्षाकृत कम थी। अत: यहाँ घने हिमालयी वन थे। घने वनों के बीच लकड़ी व फूस की बनी छोटी-छोटी झोपड़ियाँ थीं, जिनमें कई परिवार रहते थे। हर घर में एक या दो खूँखार कुत्ते पले थे। फौंरदा के गाँव पहुँचते ही बस्ती के लोगों ने उसका जोरदार स्वागत किया। सबके मन खुशी से भरे उठे थे। फौंरदा के लिये यह कोई नई बात नहीं थी, क्योंकि पहले भी, जब कभी, वह किसी गाँव में पहुँच जाता, नर-नारी व बच्चे उसके गीतों को सुनने के लिये आतुर रहते थे परन्तु एक अन्तर उसे नजर आया कि यहाँ तो उसके एक गायक कलाकार होने की किसी को जानकारी ही नहीं थी। फिर यह खुशी किस बात की थी? एक छोटा सवाल फौंरदा के मन में उठा भी, पर उसका जवाब भी उसके मन के अन्दर ही मिल गया कि गाँव में जब कोई नवागन्तुक, वह भी दूर देश से आता है तो एक उत्सुकता तो लोगों के दिल में होती ही है, और फौंरदा ने इस खुशी का कारण यही उत्सुकता मान लिया। जिनके साथ फौंरदा रास्ते में आ रहा था, उन्हीं में से एक के घर उसके ठहरने की व्यवस्था की गई। सबसे पहले गरम शर्बत उसे पीने को दिया गया, जिससे उसके बदन में स्फूर्ति सी जागी। घर के सभी सदस्य बारी-बारी से, इशारों में, उससे बात करने का प्रयत्न करते। एक विचित्र बात फौंरदा को इस घर में देखने को मिली, जिससे उसे बड़ा अटपटा सा लगा। यह थी- कि घर के सभी सदस्यों ने पहले भोजन कर लिया, तब अन्त में फौंरदा को भोजन दिया। एक लकड़ी के दौने में भात परोसा गया था, जिसमें माँस डाला गया था। फौंरदा को अत्यधिक भूख लगी थी, अत: वह तुरन्त भोजन पर झपट पड़ा।उसने एक कौर ही मुंह में डाला था कि उसे माँस का एक असामान्य सा टुकड़ा दौने में दिखाई पड़ा। गौर से देखने पर उसे साफ दिखाई दिया कि वह किसी बच्चे की ऊँगली का टुकड़ा था। उसने चुपके से उसे उलट-पुलट कर देखा। यह ऊँगली का टुकड़ा था। अब उसे काटो तो खून नहीं। उसकी समझ में अब पूरी बात आ गई कि यह नरभक्षियों की बस्ती थी। उसकी समझ में बात भी भली-भाँति आ गई कि उसे बहका कर यहाँ क्यों लाया गया और उसके आते ही पूरी बस्ती में खुशी की लहर क्यों दौड़ गई थी? उसने खाना खाने का नाटक किया, पर खाना खाया नहीं। जो आदमी उसे खाना देकर गया, वह झोपड़ी के अन्दर कमरे में चला गया था। अत: उसने खाने का दौना अपनी पंखी के एक कौने में पलट कर दौना अलग रख दिया। बिना खाना खाये ही, तो तीन डकार भी उसने ली ताकि अन्दर वालों को कतई सन्देह न हो कि खाना खाया नहीं गया। उसके डकार की आवाज सुनकर उस घर के सारे लोग आश्वस्त होकर सो गये। फौंरदा ने दरवाजे से बाहर की ओर देखा कि मौका लगते ही भाग लेगा परन्तु उसे यह देखकर सुन्न रह जाना पड़ा कि दरवाजे पर दो खूंखार कुत्ते बंधे थे। जरा बाहर निकलने का दु:साहस करने पर वे कुत्ते उसकी बोटी बोटी नोच सकते थे। अत: वह चुपचाप अपनी जगह पर लेट गया और खर्राटे भरने लगा, हालांकि उसे नहीं थी ही कहाँ? उसको यह आभास मिल चुका था कि कल या आज रात में कत्ल करके उसकी बोटी-बोटी बस्ती में बाँट दी जायेगी। अत: उसने जितनी जल्दी हो सके, भाग जाने की ठान ली। जब रात कुछ गहरा गई तो उसने अपना हुड़का उठाया। घुँघरू लगे थे। भागने में घुँघरुओं के बजने से उसका पीछा किया जा सकता था। अत: उसने घुँघरुओं के अन्दर एक-एक करके गीली मिट्टी ठूंस दी और बड़ी सावधानी से उसने वही माँस मिला भात, जो उसे खाने को मिला था, दोनों कुत्तों के आगे डाल दिया। कुत्तों ने तुरन्त ही उसे उदरस्थ कर लिया। उसे खाते ही कुत्तों को गहरी नींद आ गई। जिससे फौंरदा को पता चला कि इसमें कोई तेज नशीली चीज मिली हुई थी। अब उसे कुत्तों का कोई खतरा नहीं था। थोड़ा भात उसने बचा लिया था ताकि रास्ते में और कुत्ते उसका पीछा करें तो, उन्हें यह भात देकर मनाया जा सके। वह चुपचाप बाहर निकला। घना अन्धेरा था। रास्ता बहुत कम दिखाई पड़ता था। वह दबे पाँव बाहर निकला ही था कि दूसरे कुत्तों को भनक लग गई। वह जोर से भौंकते हुए उसकी ओर दौड़े। उसने रास्ते में वही भात बिखेर दिया। कुत्ते भात पर झपट पड़े परन्तु तक तक उनके भौंकने से लोग सतर्क हो गये थे। जिस घर में उसे ठहराया गया था, उन लोगों को भी उसके भागने का पता चल गया। चारों ओर से लोगों ने उसका पीछा किया। फौंरदा के लिये जीवन मरण का प्रश्न था। पता नहीं उसके अन्दर बला की सूझबूझ व स्फूर्ति कहाँ से आ गई? उसने हिरन की सी दौड़ लगा दी। पीछे-पीछे बस्ती के लोग भाला, खुखरी लिये उसका पीछा कर रहे थे, आगे फौंरदा कन्धे में हुड़का लटकाए भागे जा रहा था। भागते भागते घुँघरुओं में भरी मिट्टी बाहर निकल गई। अब ज्यों-ज्यों वह भागता, घुँघरुओं की छम-छम सुनाई पड़ती। वह भागते भागते एक ऐसे स्थान पर पहुँच गया, जहाँ से मीलों नीचे घाटी तक हल्का ढलान था। लोग पीछा करते हुए उसके पास ही पहुँच गये थे। उसको एक युक्ति सूझी। उसने हुड़के को उस ढलान की ओर लुड़का दिया और स्वयं विपरीत दिशा में दबे पाँव भागने लगा। हुड़का ज्यों ही धीमे ढलान में आहिस्ता-आहिस्ता लुढ़कता, घुँघरुओं की छम-छम की आवाज आती। अत: पीछा करने वाले घुँघरुओं की आवाज की दिशा में ही पीछा करने लगे। हुड़का जब लुढ़क कर घाटी में पहुँचा तो लोग उसके पीछे-पीछे घाटी में ही पहुँच गये। पर वहाँ फौंरदा कहाँ था? वह तो दूसरी दिशा में मीलों दूर पहुँच चुका था।

इस तरह अपने अदम्य साहस व विशिष्ट सूझबूझ के कारण वह नरभक्षी लोगों के चंगुल से निकलकर कई दिन बाद वापस घर पहुँचा। कैलास मानसरोवर की यात्रा की उसकी तमन्ना पूरी न हो सकी। यह सच है कि जहाँ एक ओर मनुष्य विपत्ति आने पर कापुरुष एवं किंकर्त्तव्यविमूढ़ सा हो जाता है, वहीं दूसरी ओर स्वक्रिया द्वारा रक्षात्मकता स्वयमेव ही प्रकट हो जाती है और सब को नहीं तो बहुतों को संकट से उबारती है।

सामाजिक सरोकारों से लबरेज प्रेम सिंह बरफाल

हल्द्वानी। भा.स्टेट बैंक हल्द्वानी में मुख्य प्रबन्धक (प्रशासनिक) के पद से विगत दिवस सेवानिवृत्त हुए प्रेम सिंह बरफाल पूरी ऊर्जा के साथ सामाजिक सौहार्द के वातावरण और अपनी संस्कृति के लिये जुट चुके हैं। अपने सेवाकाल के दौरान भी सामाजिक कार्यों में संलग्न श्री बरफाल हमेशा से संस्कृति के संरक्षण में अग्रणीय रहे हैं। उनके सेवानिवृत्त अवसर पर स्टेट बैंक में भव्य विदाई समारोह हुआ, वहीं सामाजिक कार्यों को देखते हुए तमाम गणमान्य जनों ने भी यादगार आयोजन में सहभागिता की।

मुख्य प्रबन्धक प्रशासनिक कार्यालय हल्द्वानी से सेवानिवृत्त प्रेम सिंह जी ने 23 अप्रैल 1990 में मोतीहार (बिहार) में अपनी बैंकिग सेवा की शुरुआत की। जहाँ दस साल रहने के बाद सन् 2000 में गंगोलीहाट आए। तीन साल बाद मुनस्यारी शाखा में फिर 2004 से 2008 तक हल्द्वानी में रहे। दिल्ली (शाखा) में पेंशन सेल के बाद पदोन्नति के साथ हैदराबाद प्रधान कार्यालय में रहे श्री बरफाल को 5 साल आडिट सेल में रहने का अवसर मिला, जहाँ उ.प्र., म.प्र., छत्तीसगढ़ के अनगिनत प्रकरणों को इनके निर्देशन में देखा गया। बैंकिग सेवा की यात्रा में फिर इनकी वापसी हल्द्वानी हुई और क्षेत्रीय कार्यालय चमोली, ठण्डी सड़क हल्द्वानी, सितारगंज में एएमसी हैड रहे। इसके बाद हल्द्वानी प्रशासनिक कार्यालय में मुख्य प्रबन्धक के रूप में रहे हैं। सेवा निवृत्त होने के बाद वृन्दावन विहार हल्द्वानी में निवासरत श्री प्रेम सिंह-श्रीमती प्रभा बरफाल अपनी जन सहभागिता में और भी ऊर्जा के साथ सक्रिय हैं। अपने ग्राम दरांती सहित हर उस स्थान और जुझारु लोगों को समझने की परख रखने वाले बरफाल दम्पत्ति पिघलता हिमालय परिवार के सक्रिय साथी हैं।

भाजपा-कांग्रेस की तैयारी के बीच उक्रांद की हलचल

कालाढूंगी सीट पर नया माहौल बनने लगा है, मसूरी में चमक

मेजर सन्तोष भण्डारी लगातार अभियान पर

कपकोट सीट के लिये दावेदार आगे आए

लोहाघाट सीट पर युवा उतावले हो रहे हैं

2027 विधान सभा चुनाव के लिये भाजपा कांग्रेस की ओर से तैयारी और सम्भावित नेतागण अपने जाल बिछाने लगे हैं। ऐसे में नेताओं का बड़बोलापन भी देखा गया है। इनकी तैयारी के बीच उक्रांद की हलचल भी कम रोचक नहीं है। जिस प्रकार से माहौल बनने लगा है वह कुछ सीटों पर समीकरण बदलने या चौंकाने वाला होगा। ऐसी ही एक सीट है कालाढूंगी विधानसभा सीट। इस पर भाजपा की ओर विधायक बंशीधर भगत सहित कई दावे कर रहे हैं। कांग्रेस की ओर से दावेदारों की कमी नहीं है लेकिन तारा सिंह नेगी के रूप में यूकेडी में शामिल बजनदान नेता ने हलचल मचानी शुरू कर दी है।

मेजर सन्तोष भण्डारी मसूरी से ताल ठोकते हुए लगातार अभियान बनाया हुआ है। वह पहाड़ के मुद्दों व भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज बनकर लोगों के बीच घूम रही हैं। इस सीट पर भाजपा के मंत्री गणेश जोशी अपने बयानों से लगातार चर्चा में हैं और कांग्रेस उन्हें घेर रही है। यूकेडी की धार के साथ आशीष जैसे युवा नेता जगह-जगह घूम रहे हैं। दल के शीर्ष नेता काशी सिंह ऐरी का कहना है कि उक्रांद ने राज्य बनाया, वही इसे बचाएगी। भाजपा कांग्रेस ने राज्य की अवधारणा को खत्म कर दिया है। वह सिर्फ सत्ता और लूट खसोट चाहते हैं।

लोहाघाट सीट पर पार्टी टिकट के लिये युवा उतावले हो रहे हैं जबकि पुराने दिग्गज अपनी ताल ठोक चुके हैं। टिकट न मिलने पर भीतरघात भी इस सीट पर ज्यादा ही होने वाला है। फिलहाल आरोपों का दौर चल रहा है और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने लोहाघाट के पूर्व भाजपा विधायक पर दादागिरी का आरोप लगाया। पूर्व विधायक पूरन फर्त्याल भाजपा से टिकट की चाह में नपातुला बयान देने लगे हैं।

कपकोट विधानसभा सीट पर पार्टी टिकट के लिये दावेदार आगे आए हैं। भाजपा की ओर से विधायक समेत अन्य लाइन में हैं जबकि कांग्रेस की ओर से पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण सहित अन्य टिकट दावेदारी कर रहे हैं। चुनाव तो बाद की बात है, इससे पहले टिकट को लेकर ही जिस प्रकार से जोर आजमाइश हो रही है वह चुनाव तक बहुत कुछ माहौल बदलने वाला दिख रहा है।

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

'पिघलता हिमालय' स्थापना के 49वें वर्ष में प्रवेश की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

राहुल सिंह जंगपांगी
मुधवन इनक्लेव फेस-2, गैस गोदाम रोड,
कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी

डॉ० एन.एस.गनघरिया
हिमालयन कलौनी,
छड़ायल सुयाल, पो०पश्चिम मानपुर
हल्द्वानी

हरीश सिंह धपवाल
बागनाथ कालोनी, बिठौरिया नं.1
पो.हरिपुरनायक, हल्द्वानी

बी.एस.टोलिया
'मालती कुंज'
चौपला चौराहा, वीरपारो मार्ग
(गैरबैशाली) विठौरिया नं- 1
पो०हरिपुरनायक, हल्द्वानी

डॉ. के.एस.पांगती
ब्रज अम्बिका विहार
नैनीताल रोड,
हल्द्वानी

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चौकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats मो. 9458920379
APNA GHAR 6396098804
चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया
YOGA MEDITATION HOMELY FOOD LIVE MUSIC BIRTHDAY WEDDING

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 मो.- 8958525979, 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)